RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 14 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-14 अंक-21 | अम्बिकापुर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

सिर्फ 4 सेकंड... और खत्म हो जाता चंद्रयान-3, एक देरी से बचे 615 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने खुलासा किया है कि कैसे 4 सेकंड की देरी से 615 करोड़ के लागत से तैयार हुआ चंद्रयान -3 बच गया और वैज्ञानिकों की सालों की मेहनत एक पल में खत्म होने से बच गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने खुलासा किया है कि अंतरिक्ष मलबे और उपग्रहों के साथ किसी भी संभावित टकराव से बचने के लिए चंद्रयान -3 की उड़ान में चार सेकंड की देरी करनी पड़ी थी। ÷एलवीएम3-एम4/चंद्रयान-3 के लिए, ओवरलैपिंग परिचालन ऊंचाई के कारण मलबे की वस्तु और उनके कक्षीय चरण में इंजेक्ट किए गए उपग्रहों के बीच निकट दृष्टिकोण से बचने के लिए कोला विश्लेषण के आधार पर लिफ्ट-ऑफ में 4 सेकंड की देरी करनी पड़ी।

ईसरो ने जारी की रिपोर्ट

अंतरिक्ष एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि देश के चंद्रमा मिशन के पूरे मिशन चरण के दौरान अन्य अंतरिक्ष पिंडों के साथ कोई करीबी संपर्क नहीं पाया गया। इसरो ने शुक्रवार को वर्ष 2023 के लिए 'भारतीय अंतरिक्ष स्थिति आकलन रिपोर्ट' जारी की,

जो अंतरिक्ष पर्यावरण, इसके भविष्य के विकास और बाहरी अंतरिक्ष में सुरक्षित और टिकाऊ संचालन के लिए खतरों का आकलन करती है। अंतरिक्ष स्थितिजन्य गतिविधियों में उपग्रहों और प्रक्षेपण वाहनों का करीबी दृष्टिकोण मूल्यांकन शामिल है।

अंतरिक्ष में बढ़ रहा कचरा

इसने अंतरिक्ष में वस्तुए भी बढ़तीजा रही है, जो अंतरिक्ष तक बेहतर पहुंच और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के बढ़ते विविध अनुप्रयोगों का संकेत है। रिपोर्ट में भारतीय अंतरिक्ष संपत्तियों के लिए अन्य अंतरिक्ष वस्तुओं के निकट दृष्टिकोण की भविष्यवाणी करने के लिए उपग्रहों के लिए इसरो के अंतरिक्ष वस्तु निकटता विश्लेषण को भी रेखांकित किया गया है। इसरो ने कहा, किसी भी महत्वपूर्ण करीबी दृष्टिकोण के मामले में, परिचालन अंतरिक्ष यान की सुरक्षा के लिए टकराव से बचाव युद्धाभ्यास (सीएएम) किया जाता है। भारत का चंद्रमा मिशन, चंद्रयान -3, चंद्र लैंडर मॉड्यूल विक्रम और रोवर प्रज्ञान के साथ पिछले साल 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था।

रामलला के दरबार में छग के राज्यपाल ने लगाई हाजिरी

अतिथियों की सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए रही चाक-चौबंद व्यवस्था

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से लगातार देश के विभिन्न प्रदेशों के राज्यपाल रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचा रहे हैं। इस क्रम में सोमवार को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अयोध्या पहुंचे। भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप विग्रह का विधि-विधान से दर्शन पूजन किया। श्रीराम का दीदार कर वे भाव विभोर हो गए। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का दर्शन कर रहा हूं, लंबे समय तक जो संघर्ष चला है, मेरी भी इसमें भूमिका रही है। आशा थी एक समय आएगा, जब भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद महाप्रभु का दर्शन करने के लिए अपनी पत्नी के साथ अयोध्या पहुंचा हूं। प्रभु राम लला का दर्शन करने के बाद जीवन धन्य हो गया।

धरती फाड़ कर निकले भगवान : खुदाई में विष्णु भगवान की मिली 1 हजार साल पुरानी 9 मूर्तियां

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सब को चौंका के रख दिया है। दरअसल, यहां खुदाई के दौरान भगवान विष्णु की मूर्ति जमीन के नीचे से निकली है। जोकि करीब 1 हजार साल पुरानी है। यहां भवन के काम के लिए खुदाई की जा रही थी। इस दौरान एक के बाद एक 9 विष्णु भगवान की प्रतिमाएं निकली। ये सभी प्रतिमाएं भगवान विष्णु की अलग-अलग भाव भंगिमा में है। जैसे ही इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिली, वे भगवान के दर्शन करने पहुंच गए। सनावद थाना क्षेत्र के कानापुर में प्रतिमाएं मिली हैं। दरअसल नर्मदा के दक्षिणी क्षेत्र के कानापुर गांव में में कुछ दिनों से निर्माण कार्य चल रहा था। कॉलम के लिए जैसे ही जेसीबी से खुदाई शुरू की, अंदर से

भगवान की 1 मूर्ति प्रकट हुई। इसके बाद मजदूरों ने और खुदाई करनी शुरू की तो 8 और मूर्तियां मिली। इसके बाद लोगों ने मूर्ति को मिट्टी से निकालकर पानी से धोया। उन्होंने सरपंच को इसकी जानकारी दो जिसके बाद पुलिस के माध्यम से पुरातत्व संग्रहालय को भी सूचित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि नर्मदा घाटी से सटे इस इलाके में कोई प्राचीन मंदिर रहा होगा। माना जा रहा है कि यहां और भी प्रतिमाएं हो सकती हैं।

25,753 स्कूली नौकरियां खत्म करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा 2016 में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर की गई 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

हालांकि, सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगली तारीख तक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा राज्य सरकार के उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो सुपर-न्यूमेरिक पदों के सृजन को मंजूरी देने में शामिल थे। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर सोमवार को आगे की सुनवाई करेगी।

पीठ ने याचिकाकर्ता पक्ष से यह दिखाने के लिए भी कहा कि क्या राज्य के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नौकरियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 2016 में सूचीबद्ध सभी 25,753 व्यक्तियों की वैध नियुक्तियों को अलग करने के लिए कोई द्वितीयक सामग्री उपलब्ध है।

पिछले सप्ताह अपने एक आदेश में, कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया था और उन्हें चार सप्ताह के भीतर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ पूरा वेतन वापस करने को कहा था। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) को नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश देने के अलावा, न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक और न्यायमूर्ति शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को भी मामले में अपनी जांच जारी रखने का निर्देश दिया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुपर-न्यूमेरिक पदों के सृजन के राज्य कैबिनेट के फैसले पर संज्ञान लेते हुए कहा कि यदि आवश्यक हो तो सीबीआई रिक्त पदों से अधिक सीटों के सृजन के पीछे के मास्टरमाइंड से पूछताछ कर सकती है। ऐसा माना जाता है कि ये सुपर-न्यूमेरिक पद, जो शुरू से ही संदेह के घेरे में रहे हैं, अवैध रूप से भर्ती किए गए अयोग्य उम्मीदवारों के लिए सृजित किए गए।

12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

'सत्ता की चादुकारिता नहीं जनपक्षीय पत्रकारिता'

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

संपादकीय

अल्पसंख्यक श्रेणी का अधिकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धर्म के आधार पर पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण में सेंधमारी करने के संविधान विरोधी प्रयासों पर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस से सवाल किया है, 'क्या कांग्रेस ऐलान करेगी कि वे संविधान में पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेंगे?' 2004 में जैसे ही कांग्रेस की केंद्र में सरकार बनी तो उसने सबसे पहले आंध्र प्रदेश में एससी/एसटी आरक्षण को कम कर इस कोटे में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया था। यह कांग्रेस का 'पायलट प्रोजेक्ट' था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। 2004-2010 के बीच कांग्रेस ने चार बार आंध्र प्रदेश में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए। मोदी ने अब फिर से आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में लोगों का धन छीन कर अपने 'खास' लोगों को बांटने की साजिश रची है। यह अत्यंत तल्ख टिप्पणी राजस्थान के टोंक जिले में एक चुनावी जनसभा में की। प्रधानमंत्री की टिप्पणी संपूर्ण सत्य है। एक समय कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की मंशा रही थी। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ा रु ख अपनाते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के विरु द्ध दायर अपील को खारिज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए कि उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया? कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह तो कोटे में उपकोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा। दरअसल, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने धर्म के आधार पर' आरक्षण का लाभ संविधान के विरु द्ध बताया था। वर्तमान में दिसम्बर, 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसद आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन केंद्र सरकार ने ओबीसी के कोटे में खास तौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया था। इसे कानूनी रूप देते हुए 'अल्पसंख्यकों से संबंधित' और 'अल्पसंख्यकों के लिए' जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था। वंचित समुदाय, चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण, को बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है क्योंकि बदहाली की सूरत अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती? खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उनको हासिल करना मौजूदा दौर में पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता, आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं, और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालत करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे? यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी। वर्तमान समय में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं लेकिन जैन समुदाय केंद्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुश्तैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। दरअसल, 'अल्पसंख्यक श्रेणी' का अधिकार पा लेने के क्या राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, इन्हें समझना मुश्किल है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- भ्रम फैलाने में व्यस्त है कांग्रेसी, प्रदेश की 11 सीटें जीत रही बीजेपी

रायपुर। कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है, उस पार्टी में अभी बिखराव है. पिछले कुछ समय में हजारों की संख्या में लोगों ने कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में प्रवेश किया है. उन्हे कैंडिडेट भी नहीं मिल पा रहे हैं. उसको अलग-अलग जगह कैंडिडेट बनाकर भेजना पड़ रहा है. मुद्दाविहीन है कांग्रेस और निश्चित ही इसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को होगा. जनता का भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है. इस बार पूरी ग्यारह की ग्यारह सीट हम जीतने वाले हैं. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक साक्षात्कार में उक्त बातें कही। सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो गई है. आजादी के 75 वर्षों में 55-60 साल तक उसकी सरकार रही और उन्होंने देश को छलने का काम किया. इसलिए देश की जनता का विश्वास कांग्रेस पार्टी खो चुकी है और लोगों को भ्रम में डालने का प्रयास कर रही है. कांग्रेस के नेता कुछ भी उल्टी-सीधी बातें कर रहे हैं. यहीं नहीं हमारे शीर्ष नेताओं के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है कांग्रेस पार्टी। पीएम मोदी के दो साल में नक्सलवाद को खत्म करने की बात पर सीएम साय ने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ में आई है तब से नक्सलवाद के खिलाफ हम मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं. डबल इंजन की सरकार है, केंद्र से भी भरपूर सहयोग मिल रहा है. जिससे हम लोग मजबूती के साथ ये लड़ाई लड़ पा रहे हैं. अभी तक एक दिन में 29 नक्सलियों को खत्म करना, जिनमें से दो नक्सली बीस-बीस लाख के इनामी भी थे, ये बहुत बड़ी सफलता है. लेकिन हम लोगों ने आत्मसमर्पण का भी ऑप्शन रखा है और छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति है. उसमें विश्वास करके सैकड़ों नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और उनके साथ सरकार न्याय भी करेगी। आदिवासियों से संबंधित सवाल पर विष्णुदेव साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से आदिवासियों की चिंता करने वाली पार्टी रही है. जब श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भारत सरकार में पहली बार आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया. आज आदिवासियों का सम्मान बढ़ाने के लिए देश के सर्वोच्च पद पर हमारे समाज की बहन द्रौपदी मुर्मू विराजमान है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री के रूप में है. वास्तव में भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों की चिंता करती है. पीएम मोदी के आशीर्वाद से यहां के आदिवासियों के विश्वास पर पूरा खरा उतरने का प्रयास रहेगा।

अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़: मुख्यमंत्री साय ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कहा- हार देख कर स्तरहीन हथकंडे अपना रही कांग्रेस, वीडियो एडिट कर फैलाया जा रहा भ्रम

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़ कर आरक्षण खत्म करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. कांग्रेस के ऐसे दुष्प्रचार पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि अपनी बुरी हार सामने देख कर कांग्रेस अब कोई भी स्तरहीन हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आ रही है. दशकों तक आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगती रहने वाली, वंचित समूहों का शोषण करने वाली कांग्रेस अब फिर से आरक्षण के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रही है. गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को भी गलत तरीके से एडिट कर वह भ्रांति फैला रही है। उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं कि आदिवासियों-पिछड़ों-दलितों के खिलाफ ऐसा भद्दा मजाक करने से बाज आये. ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं की जाएगी। सीएम साय ने लिखा कि कांग्रेस शुरू से ही वंचित समूहों को आगे लाने का, आरक्षण का विरोध करती रही है. कांग्रेस की ऐसी हरकतों की जितनी निंदा की जाय, वह कम है. कांग्रेस को मुस्लिम आरक्षण स्वीकार है लेकिन आदिवासियों और अनुसूचित जाति समूहों, पिछड़ों को मिल रहा अधिकार उसे बर्दाश्त नहीं हो रही है. शर्मनाक।

आकाशीय बिजली ने ढाया कहर, 6 साल की मासूम की मौत

पिता गंभीर रूप से झुलसे, 3 दिन पहले हुई थी युवक की मौत

गरियाबंद। जिले के लदरा ग्राम में एक बार फिर आकाशीय बिजली ने कहर ढाया है. यहां आकाशीय बिजली गिरने से 6 साल की एक बच्ची की मौत हो गई है, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बता दें कि तीन दिन के भीतर गांव में ये दूसरी घटना है. इससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है. घटना देवभोग थाना क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि दोपहर का भोजन करने के बाद घर के बाहर बैठे पिता-पुत्री आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए. आनन -फानन में परिजनों ने दोनों को देवभोग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने 6 साल की आरती सोम को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल उसके पिता छबिराम का इलाज जारी है. डॉ. प्रकाश साहू ने बताया कि छबिराम के कमर के नीचे का हिस्सा काम करना बंद कर दिया था. प्राथमिक उपचार के बाद ठीक हो गया है. वहीं उनकी बेटी आरती की मौत हो चुकी थी. पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले शुक्रवार को दोपहर के समय 30 वर्षीय जोगेंद्र नागेश अपने पिता के साथ ईट भट्ठे में काम कर रहा था. इस दौरान मौसम बिगड़ा और आज की तरह उसी लदरा में आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही जोगेंद्र की मौत हो गई. तीन दिन के भीतर इस तरह की घटना के बाद गांव में दहशत है. ग्रामीणों ने एक ही गांव में बार-बार आकाशीय बिजली गिरने की घटना की जांच की मांग की है।

वाहन चोरी करने वाला शातिर पकड़ाया, चोर के कब्जे से वैन, दो बाइक, स्कूटर बरामद

कवर्धा। शहर में वाहनों की चोरी से परेशान लोगों को राहत मिली है. पंडरिया पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से एक मारुति वैन, दो बाइक, 1 स्कूटर और लैपटॉप को बरामद किया है। दरअसल पंडरिया में लगातार बाइक चोरी की घटना घट रही थी. इसकी शिकायत पुलिस को मिली थी. पंडरिया पुलिस ने टीम गठन कर बाइक चोर के खिलाफ जाल बिछाया और आरोपी तक पहुंची. आरोपी को गिरफ्त में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर चोर ने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी धानीराम मारको के खिलाफ पंडरिया थाना में मामला दर्ज कर जेल भेजा दिया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शातिर चोर मुंगेली जिले के लोरमी थाना में बाइक चोरी के आरोप में भी जेल जा चुका है।

बेमेतरा सड़क हादसा: पिकअप और ट्रक में टक्कर से 9 लोगों की मौत, 23 घायल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में कल रात एक पिकअप और मिनी ट्रक की जबरदस्त टक्कर हो गई. इस दर्दनाक सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है. यह घटना बेमेतरा जिले के कठिया गांव के पास हुई है. इस हादसे में गाड़ी में सवार अन्य 23 लोग घायल हैं. घायलों का रायपुर एम्स में इलाज चल रहा है. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मृतकों के परिवार के प्रति गहरा शोक जताया है।

जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने पीड़ित परिजनों से मोबाइल पर बात कर सांत्वना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं. ये बहुत दुखद घटना है, अपनों का चले जाना बड़ा पीड़ादायी होता है. सरकार इलाज सहित हर संभव मदद करेगी. वहीं इससे पहले साव ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर जानकारी दी कि घायलों को रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया है. प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रही है।

छठी कार्यक्रम से लौटते वक्त हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, यह हादसा बीती रात लगभग 11 बजे बेमेतरा थाना क्षेत्र के कठिया गांव पेट्रोल पंप के पास हुआ. पिकअप में सवार 30 से ज्यादा लोग तिरैया गांव से छठी कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव पथर्रा लौट रहे थे. इस दौरान कठिया गांव में सड़क किनारे खड़ी माजदा से पिकअप जा टकराई. इस हादसे में अब तक कुल 9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 की स्थिति गंभीर है. वहीं अन्य 23 घायलों का उपचार बेमेतरा जिला अस्पताल और सिमगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है. दो घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है. aiims कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने बताया कि 42 वर्षीय उषा साहू और 12 वर्षीय डिंपल साहू का इलाज चल रहा है. महिला और 12 वर्षीय बच्ची अलग-अलग परिवार से हैं. 42 वर्षीय महिला की स्थिति गंभीर है.

ड्राइवर ने बताया कैसे हुआ हादसा

हादसे में घायल पिकअप ड्राइवर प्रेमू साहू ने बताया कि रात के 10 बजे छठी कार्यक्रम से घर वापस आ रहे थे. वहीं सामने से एक ट्रक आया, उसके लाइट से ड्राइवर का आंख बंद हो गया और हड़बड़ी में गाड़ी साइड हो गई. उसके बाद समझ नहीं आया क्या हुआ।

लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर 23 माओवादियों ने डाले हथियार, लोकतंत्र और संविधान में जताया विश्वास

दंतेवाड़ा। हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने और लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान से प्रभावित होकर 23 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया. माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के समाने हथियार डाले। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे. ये माओवादी बंद के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना एवं नक्सली बैनर-पोस्टर लगाने की घटनाओं में शामिल थे. इससे पहले पुलिस ने माओवादियों से हिंसा की राह छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होनी की अपील की थी. इसका व्यापक असर माओवादियों पर हुआ और 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करके लोकतंत्र और संविधान में विश्वास जताया. पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा ने कहा कि आत्मसमर्पित माओवादियों को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ दिए जाएंगे.बता दें कि लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 177 इनामी माओवादी सहित कुल 761 नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं. जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ ने सभी भटके माओवादियों से अपील की है कि हिंसा की धारा छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए निकटतम थाना अथवा कैंप में संपर्क करें और क्षेत्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे.

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

गरीबों को छत दिलाने के लिए साय नहीं गए सीएम हाउस, हस्ताक्षर करने के बाद किया था प्रवेश- कौशल्या साय

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में चुनाव प्रचार करके जीत के लिये पूरी ताकत झोंक रहे हैं वहीं दूसरी ओर अब इस चुनावी प्रचार अभियान में उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय भी महिलाओं के बीच जाकर भाजपा की स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ रायगढ़ संसदीय सीट पर जीत का परचम लहराने के लिये माहौल बना रही है।

श्रीमती कौशल्या साय आज रायगढ़ संसदीय क्षेत्र में महिलाओं के बीच जाकर विष्णुदेव साय के कार्यकाल में तीन महीने में किये गए कार्यो को गिनाते हुए बताया कि किस तरह वे महिलाओं के लिये घर, उनको गैस कनेक्शन के साथ-साथ महतारी वंदन योजना का पैसा समय-समय पर मिले उसका प्रयास

कर रहे हैं। बातचीत के करते हुए उन्होंने बताया कि वो महिलाओं से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ भूपेश बघेल के पिछले पांच साल के कार्यकाल की तुलना करते हुए महिलाओं के बीच जा रही है और उन्हें इस बात का एहसास है कि कैसे उनके पति विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री का पद्भार ग्रहण करते ही महिलाओं को आवास दिलाने के लिये प्रयास कर रहे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनके पति ने यह ठाना था कि जब तक प्रधानमंत्री आवास योजना की फाईल में हस्ताक्षर नही कर देंगे तब तक वे मुख्यमंत्री आवास नही जायेंगे। इतना ही नही उन्होंने तीन महीने के कार्यकाल को गिनाते हुए यह भी गिनाया कि आज मोदी की गारंटी और मोदी के कामों को लेकर वे लगातार महिलाओं के बीच में जा रही है ताकि देश हित में लोग भाजपा को चुनें। रायगढ़ के वार्ड नं. 22 मे स्थित देवांगन धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम की भी तारीफ करते हुए कहा कि इस समाज की महिलाओं द्वारा स्वागत का भी सबसे बेहतरीन तरीका था जिसे वे कभी नही भुलेंगी। कौशल्या साय ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार गरीब हटाने की बात कहते-कहते आज खुद हटने के कगार पर पहुंच चुकी है।

खुद फोन लगाकर मुख्यमंत्री लोगों से कर रहे सीधी बात, ले रहे हैं फीडबैक

सीएम जनता के सवालों का मुस्कुराकर दे रहे जवाब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इन दिनों चुनावी सभाओं और बैठकों में व्यस्त हैं, पर इसके बीच वो समय निकालकर जनता से सीधे बात भी कर रहे हैं. लगभग हर दिन वो मोबाइल से खुद फोन लगाते हैं और सामने वाले को अपना परिचय देकर हाल-चाल पूछते हैं. खासकर महिला समूहों से बात करते समय वो महतारी वंदन योजना के पैसे मिलने का फीडबैक जरूर लेते हैं। जिनके पास फोन जाता है, वो इतने सरल-सहज मुख्यमंत्री की बात सुनकर खुद भी सहज हो जाता है और अपने मन में भरे सवाल भी पूछता है. मुख्यमंत्री उनके हर सवाल का जवाब देते हैं. समाज के अंतिम छोर से अपनी सरकार के कामकाज के फीड बैक लेने का यह तरीका चर्चा का केंद्र है। मुख्यमंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री से एक महिला प्रधानमंत्री आवास पर सवाल कर रही है, तो दूसरी महिला स्वास्थ्य विभाग के वैकेंसी के बारे में पूछ रही है, जिसका मुख्यमंत्री मुस्कुरा कर आचार संहिता के बाद सभी काम होने का भरोसा दिलाते हैं. यहां वे भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील करते भी दिख रहे हैं।

शराब घोटाला: रिटायर्ड आईएएस टुटेजा की रिमांड बढ़ी

रायपुर। शराब घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा की रिमांड 6 दिन के लिए और बढ़ा दी गई है. इडी को 6 दिन की रिमांड मिली है. 4 मई को ईडी टुटेजा को फिर कोर्ट में पेश करेगी। बता दें कि खत्म होने पर ईडी ने टुटेजा को आज विशेष कोर्ट में पेश किया. ईडी ने अनिल टुटेजा का छह दिन का रिमांड मांगा. टुटेजा के वकील ने बताया कि अनावश्यक रूप से रिमांड मांगी जा रही है. बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि शराब स्कैम से संबंधित कुछ भी पूछताछ नहीं हुई. दिनभर में एकात घंटे ही पूछताछ हुई है. दोनों पक्षों को सुनने के लिए न्यायालय ने टुटेजा को 6 दिन के लिए फिर ईडी को सौंपा है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा जिले के सलातोंग इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ. इस मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलीबारी हुई. जिसमें जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है. वहीं जवानों को भरी पड़ता देख नक्सली जंगल की ओर भाग निकले. घटनास्थल से मारे गए नक्सली के साथ के साथ नक्सल सामग्री बरामद किया गया है. इस मुठभेड़ की पुष्टि एसपी किरण चव्हाण ने की है। जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल को सुकमा जिले के थाना किस्टाराम क्षेत्र अंतर्गत पेसेलपाड़ और आस पास के जंगल पहाड़ी में किस्टाराम एरिया कमेटी के माओवादिओं की उपस्थिति की सूचना मिली. जिस पर डीआरजी,बस्तर फाइटर और 208 वाहिनी कोबरा की संयुक्त पार्टी ऑपरेशन पर रवाना हुई थी. ऑपरेशन के दौरान आज सुबह लगभग 07-00 बजे पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ. मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की गहन सर्चिंग करने पर हथियार सहित एक नक्सली और अन्य नक्सली सामग्री बरामद किया गया है. फिलहाल, मृत नक्सली के शव की शिनाख्तगी की जा रही है. सुरक्षा बलों का इस क्षेत्र में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है।

एक मई को आपके बैंक खाते में आएगी महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के पहले ही महतारी वंदन योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को एक-एक हजार रुपए की तीसरी किस्त की राशि 1 मई को मिलेगी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख से ज्यादा लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में तीसरी किस्त के रूप में लगभग 700 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के जरिए अंतरित की जाएगी. महिला व बाल विकास विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त की राशि का भुगतान हर महीने के पहले सप्ताह में ही किया जाना है. मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में कई चुनावी जनसभाओं में भी महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त की राशि का भुगतान तीसरे चरण के मतदान के पहले ही जारी किए जाने की घोषणा जा चुकी है.

शादी समारोह में ड्राई आइस खाने से मासूम की मौत, घर में पसरा मातम, जांच में जुटी पुलिस

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एक दुःखद घटना घटी है. चमारराय टोला गांव में आयोजित एक शादी समारोह में ड्राई आइस खाने से साढ़े तीन वर्षीय बालक की मौत हो गई है. बताया जा रहा है कि बच्चा खेलते-खेलते इस विषैले पदार्थ (ड्राई आइस) को खा लिया था. इसके कुछ देर बाद घर पहुंचने पर उसकी मौत हो गई. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, राजनंदगांव शहर के समीप लाल बाग थाना क्षेत्र अंतर्गत चमारराय टोला गांव में एक विवाह समारोह आयोजित किया गया था. इस समारोह में गांव का एक बालक खुशाल साहू भी अपनी मां के साथ पहुंचा

हुआ था. इस दौरान वह खेलते- खेलते उसने जमीन पर पड़े ड्राई आइस को खा लिया. वहीं कुछ देर बाद घर पहुंचने पर उसकी अचानक मौत हो गई. इस घटना पर बच्चे के परिजनों ने कहा कि लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। शादी समारोह में ड्राई आइस का उपयोग मटके से धुआं निकलने के लिए किया जाता है. इस ड्राई आइस को लापरवाही पूर्वक छोड़ दिया गया था. जिसे लगभग साढ़े तीन वर्षीय खुशाल साहू ने खा लिया. इस ड्राई आइस में केमिकल होने की वजह से मासूम बच्चे की मौत हो गई. घटना के बाद मामले की जानकारी लालबाग पुलिस को दी गई है, जिसपर पुलिस ने अपनी जांच कार्रवाई शुरू कर दी है।

केलो मैया में औद्योगिक अपशिष्ट डालने वालों पर कार्रवाई कब!

रायगढ़। रायगढ़ जिले की जन - जन की मां केलो नदी के लिय हम सभी नामामी मां केलो के अभिवादन से मुखरित रहती है तो स्वाभाविक है की इसके प्रदूषित होने पर इसके लिए तो प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।

जल और पेयजल सहित सुंदर दृष्यांकन से हमारे जीवन को तरो ताजा के साथ स्वस्थ रखने का माद्दा रखने वाली नदी ष्केलोष्ष् ही है जिसका प्रवाह लेलूंगा से प्रारंभ होकर तमनार के कोयला खदानों फिर वहीं स्थित उद्योगों से घरगोडा,तराईमाल,लाखा,गेरवानी आदि के मध्य के औद्योगिक अपशिष्टों का बुरी तरह शिकार हो रही है इससे केलो बांध स्थल में भी इसका असर पड़ रहा है तदोपरांत इससे रायगढ़ नगर निगम के नागरिकों के लिय पंचधारि एनिकट पर भी इसका बुरा असर पड़ा और मार्च के महीने में इसकी सफाई 2 दिनों तक चली जिससे रायगढ़ के ज्यादातर मोहल्लों में जल और पेयजल की परेशानी बनी रही,इस सभी पर जब जानकारी के लिए सूचना के अधिकार के तहत प्रयास किया गया तो केलो सर्वेक्षण विभाग के कार्यपालन अभियंता फूलेकर के द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों की चिट्ठी क्रमांक 893 25 अप्रैल से चाही गई जानकारी से अलग हट कर बताया की ष्केलो नदी में कोई अपशिष्ट पदार्थ नहीं डाला गया है।

केलो नदी में स्थित पंचधारी एनिकट जहां से नगर निगम, रायगढ़ के द्वारा पानी शहर में सप्लाई किया जाता है में ऐसे ही सूचना के अधिकार के तहत आवेदन के जवाब में कहा जाता है यह केलो डैम परियोजना सर्वेक्षण विभाग के अंतर्गत है ओर पंचधारी एनिकट जो जल संसाधन विभाग के अंतर्गत है से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। इस पर रायगढ़ बचाओ-लड़ेंगे रायगढ़ संस्था के विनय शुक्ला के नेतृत्व में शहर के जागरूक युवाओं का जत्था जिले के युवा कलेक्टर श्री कार्तिकेय गोयल से भेंट करके ज्ञापन सौंपा की केलो नदी जो की हमारे जिले की पूज्यनीय है जिसे जिले का जन-जन अपनी मां के स्वरूप में मानता है उसके प्रदूषित होने पर जनता उद्वेलित ही है जो जिला प्रशासन से निवेदित कर रही है कि इसको हर संभव प्रदूषित करने से रोकने के उपाय और योजना बनानी चाहिए और इसको प्रदूषित करने वाले कोयला खदानों और उद्योगों पर कार्यवाही त्वरित और कड़ी हो फिर इससे औद्योगिक अपशिष्ट न बहे।

रायगढ़ बचाओ - लड़ेंगे रायगढ़संस्था के विनय शुक्ला के नेतृत्व के सुरेंद्र पटेल,अनिल अग्रवाल चीकू,सुयश ठेठवार, वाशिद अली,तिजेश जयसवाल,राहुल यादव,जफर अंसारी,गगन निषाद,ऋषभ मिश्रा,धनुर्जय विश्वकर्मा,आदर्श श्रीवास, राज पटनायक,मनोज पटनायक,अनुज पटनायक,लाल कुमार चैहान,ललित राठिया आदि सहित 100 लोगों लगभग ने इस ज्ञापन में हस्ताक्षर किया और जिला कलेक्टर को प्रेषित भी किया इस ज्ञापन की छाया प्रति माननीय राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग,माननीय मुख्य न्यायाधीश छतिसगढ़ उच्च न्यायालय,समस्त विधायक रायगढ़ जिला और समस्त राजनैतिक दल व सामाजिक संस्थाओं के साथ - साथ रायगढ़ शहर के जागरूक समस्त पार्षद जानो को भी प्रेषित की है और अपनी मैया केलो को बचाने के लिए सहयोग का आह्वान किया। समय रहते हम इस पुनीत कार्य को करेंगे तो आने वाली पीढ़ी हमे निश्चित ही जागरूक और जिम्मेदार रहे के अंतर्गत कहेगी अपितु समय रहते प्रशासन केलो है तो कल है पर सोचे नही तो जल सत्याग्रह की ओर हम सोचने पर मजबूर हो जाएंगे।

धरमजयगढ़ के साप्ताहिक बजार से स्कूटी वाहन की चोरी

कुड़ेकेला। धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत साप्ताहिक बजार से फिर से एक स्कूटी वाहन की चोरी की घटना सामने आई है। मामले की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ़ चोरी का केस दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है। बता दें कि कई थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते कुछ समय में बाइक चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई इस घटना के बारे में प्रार्थिया ने पुलिस को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ग्राम शाहपुर में रहती हूं, घर गृहस्थी का काम करती हूं। बीते दिनांक 28 अप्रैल को सबह करीब 10-00 बजे मैं अपने स्कूटी होंडा एक्टिवा क्रमांक सी जी 13 ए बी 1888 से अपने घर से साप्ताहिक बाजार धरमजयगढ आयी थी। जिसके बाद स्कूटी को बाजार के किनारे नीम पेड के नीचे हैण्डिल लाक कर सब्जी लेने बाजार गई थी। सब्जी खरीदकर लगभग 11-30 बजे मैं जहां स्कूटी खडा की थी वहां गयी तो देखी कि मेरी स्कूटी वहां नही थी। तब मैं विनय प्रकाश मिंज निवासी पतरापारा को घटना के बारे में बताई तब दोनो मिलकर आस पास एवं लोगो से पूछताछ कर पता तलाश किये, पर कहीं पता नही चला। कोई अज्ञात चोर के द्वारा मेरी स्कूटी को चोरी कर लिया गया है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

ये चुनाव लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण को बचाने का है : राहुल गांधी

बिलासपुर में आमसभा को किया संबोधित, कहा- पब्लिक सेक्टर यूनिट को प्राइवेट बना रही है बीजेपी सरकार

पीएम मोदी ने बेरोजगारी की दीवार बनाई

राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने बेरोजगारी की दीवार बनाई है उसे हम तोड़ने जा रहे हैं. करोड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा. जितना पैसा मोदी ने पूंजीपतियों को दिया उतना ही पैसा हम आपको देने जा रहे हैं. उन्होंने किसानों से कहा कि सरकार बनते ही किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा. इसके अलावा एमएसपी देने की बात भी कही. उन्होंने कहा कि मार्केट में आप जो भी खरीदते हैं उसका सही दाम मिलता है लेकिन किसानों को उनका सही दाम नहीं मिलता है. एमएसपी के जरिए उन्हें उनका हक दिया जाएगा. राहुल गांधी ने मनरेगा मजदूरों को लेकर कहा कि मनरेगा में आज की तारीख में 250 रुपया मिलता है सरकार बनते ही उसे 400 रुपए किया जाएगा।

बिलासपुर। तीसरे चरण के मतदान के पहले राष्ट्रीय नेताओं का प्रदेश में चुनाव प्रचार जोरों पर है. इस कड़ी में आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिलासपुर में आमसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण को बचाने का चुनाव है. उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी सरकार पब्लिक सेक्टर यूनिट को प्राइवेट बना रही है. पब्लिक सेक्टर में दलित, आदिवासी, पिछड़ों को जगह नहीं मिलती. इनकी विचारधारा गांधी, नेहरू, आंबेडकर की नहीं है, इनकी विचारधारा उद्योगपति जैसे लोगों को जल, जंगल, जमीन देने की है. उन्होंने कहा कि ये चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है. बीजेपी, आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं. कांग्रेस संविधान को बचाने का काम कर रही है. आपका हक संविधान से निकला. आपका जल, जंगल, जमीन जीने का तरीका सब गायब हो जाएंगे. भाजपा कह रही है कि रिजर्वेशन खत्म कर देगी।

बीजेपी के घोषणा पत्र पर हमला बोला

राहुल गांधी ने बीजेपी के घोषणा पत्र पर भी जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि बीजेपी का घोषणा पत्र देखिए लोगों को चांद पर पहुंचाने की बात करते हैं. लेकिन कोविड आता है तो थाली बजाने, मोबाइल का टार्च जलाने को बात करते हैं. उन्होंने बिलासपुर से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव जिताकर संसद भेजने की अपील की।

मंच पर ये रहे मौजूद

मंच पर राहुल गांधी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, डॉ. चरणदास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज, बिलासपुर लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र यादव, चंदन यादव, जयसिंह अग्रवाल समेत अन्य दिग्गज नेता मौजूद थे।

लोकतंत्र का बचाने का चुनाव

ये चुनाव लोकतंत्र को बचाने का है. गरीबों के हक को बचाने का है. पहले नरेंद्र मोदी बोलते थे 400 पार अब 150 पार नहीं बोल रहे. अब वो कह रहे, हम संविधान के खिलाफ, गरीबों के अधिकार के खिलाफ नहीं है. दुनिया मे कोई शक्ति पैदा नहीं हुई, जो संविधान को फाड़कर फेंक सके, बीजेपी के लोग तो दूर की बात है. अगर 24 साल तक हर किसान का कर्जा माफ करो तो 16 लाख करोड़ होता है. देश 22 लोगों के पास इतना धन है, जितना देश के 70 प्रतिशत लोगों के पास धन है.

देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी

पुरुष 8 घंटे काम करते हैं, लेकिन महिलाएं बाहर, फिर घर में कुल मिलाकर 16 घंटे काम करती हैं. देश के गरीब परिवारों की लिस्ट बनेगी, इस लिस्ट में शामिल महिला के बैंक अकाउंट में साल के 1 लाख रुपए दिया जाएगा. पीएम मोदी ने युवाओं को बहुत परेशान किया, देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है. पेपर लीक होता है, अप्रेंटिसशिप नहीं मिलती. हम युवाओं को अप्रेंटिसशिप देने जा रहे है, यानी आपकी पहली नौकरी पक्की. कांग्रेस नेता गांधी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्हें बब्बर शेर कहा।

सुकमा मुठभेड़ पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले- नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल-स्कूल नहीं बनते

रायपुर। बेमेतरा में हुए सड़क हादसे पर उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा का बयान सामने आया है. इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के प्रदेश दौरे पर निशाना साधा है. शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अभी नींद से जागे होंगे. साथ ही सुकमा में हुए मुठभेड़ पर उन्होंने कहा कि नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल, स्कूल नहीं बनते. जो भी मुख्यधारा से जुड़ना चाहे उनका स्वागत हैं। उन्होंने कहा कि बेमेतरा हादसे में 9 लोगों की मृत्यु हुई है. सभी घायल रायपुर के एम्स और नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती हैं. घायलों और उनके परिवारजनों से चर्चा हुई है. मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है। डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि जनजागरण की जरूरत है. ड्राइवर को समझाने की जरूरत है. गांव में इस तरह की गाड़ियां आम है. बातचीत और जनजागरण से रास्ता निकलेगा. हादसे में परिवारजनों के लिए सहायता राशि की मदद पर उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के ध्यान में सारा विषय है. आगे जरूर उन्हें सहायता मिलेगी।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के छत्तीसगढ़ दौरे पर विजय शर्मा ने कहा कि स्टार प्रचारक जरूर आएंगे. हमारे तरफ से भी अनवरत आ रहे हैं. हम लोगों ने प्रारंभ से लेकर इसे जारी रखा है. कांग्रेस अभी नींद से जागे होंगे। पूर्व सीएम के प्रचार अभियान पर डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस ने भूपेश बघेल के नेतृत्व में पहले भी चुनाव लड़ा था और हार गए थे. बहुत से उनके चुनाव के वादे पूरे नहीं हुए थे. बहुत अपराधिक कृत्य सामने आए थे. इसलिए जनता ने उन्हें नाकारा था। सुकमा की मुठभेड़ पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, ईश्वर से प्रार्थना है कि सुखद समाचार हो. बातचीत का रास्ता अपनाया जाए. नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल, स्कूल नहीं बनते. जल, जंगल, जमीन उनका है वे कहते हैं तो चर्चा कर फाइनल कर लें. ऐसे ही पहल की जा सकती है. वे वीडियो कॉल पर ही बात कर लें. नक्सलियों के लिए पुनर्वास की अच्छी नीति हम लेकर आएंगे, उसकी घोषणा जल्द होगी, जो भी मुख्यधारा से जुड़ना चाहे उनका स्वागत हैं।

भाजपा की महतारी वंदन योजना पर कवासी लखमा ने कहा- एक हजार रुपए में गुड़ाखू-चेपटी भी नहीं आता, कांग्रेस एक लाख देगी

बिलासपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा में कवासी लखमा ने एक बार फिर अपने बयान से लोगों की जमकर तालियां बटोरी. उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस महात्मा गांधी के रास्ते पर चलती है, बीजेपी नाथूराम गोडसे का रास्ता अपनाती है. बीजेपी के महतारी वंदन योजना पर लखमा ने कहा, भाजपा के 1 हजार रुपए में गुड़ाखू और चेपटी भी नहीं आता. कांग्रेस 1 लाख देगी, उसमें चेपटी ही नहीं बंपर आ जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को चुनाव प्रचार के लिए बिलासपुर में आमसभा ली. उनके आने के पहले पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने बीजेपी और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा. अपने भाषण में पीएम मोदी की मिमिक्री करते हुए भाइयों और बहनों बोलकर सभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने ईवीएम मशीन का भी मजाक उड़ाया।

लखमा ने कहा कि देश से महंगाई खत्म करने के लिए सिर्फ एक लाइन लिखना है. इसके लिए पूरा किताब लिखने की जरुरत नहीं है. बस देश से जीएसटी खत्म तो महंगाई खत्म हो जाएगी. महतारी वंदन योजना पर तंज कसते हुए लखमा ने कहा कि भाजपा का चश्मा मोटा हो गया है क्या? एक हजार में ना तो महीने का गुड़ाखू आता है और ना ही बस्तर में चेपटी की बोतत आती है।

मोदी की गारंटी मतलब पत्नी छोड़ने की गारंटीः लखमा

प्रदेश के पूर्व आबकारी मंत्री लखमा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को घेरते हुए कहा, छत्तीसगढ़ में चेपटी का रेट बढ़ा दिया है. उस राशि से पौवा नहीं बोतल के लिए भी कम पड़ेगा. कांग्रेस एक लाख रुपए की राशि देगी और किसानों का कर्जा माफ कांग्रेस की सरकार करेगी. मोदी की गारंटी पर कवासी लखमा ने तंज कसते हुए कहा कि मोदी की गारंटी मतलब पत्नी छोड़ने की गारंटी. कांग्रेस से भाजपा में प्रवेश करने वाले कांग्रेसियों को कवासी लखमा ने कचरा कहते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद इन दलबदलू को वापस नहीं लेना है।

धर्म परिवर्तन करने वाले मृतक को शमशान में ग्रामीणों ने नहीं दी जमीन

हाईकोर्ट की दखल के बाद दफनाया गया शव

जगदलपुर। जिले के छिंदबाहर गांव में धर्म परिवर्तन करने वाले एक परिवार के मृतक के अंतिम संस्कार के लिए जमीन नहीं देने के विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला सामने आया है. इस मामले में परिवार ने हाईकोर्ट में अपील की थी. इसके बाद कोर्ट ने निजी जमीन पर शव दफनाने के लिए निर्देश दिया।

दरअसल, 25 अप्रैल को जगदलपुर के छिंदबाहर में सार्थिक कोर्राम परिवार के युवक की मौत हो गई थी. इसके बाद गांव के लोगों ने गांव में ही अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया. परिवार के लोगों को शमशान में जमीन नहीं देने पर विरोध प्रदर्शन किया. इस पर विरोध बढ़ता देख परिवार के लोगों

ने हाईकोर्ट में मामले को लेकर अपील की. फिर कोर्ट के निर्देश पर पुलिस सुरक्षा में निजी जमीन पर मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब है कि बस्तर में धर्मांतरण से जुड़े विवाद को लेकर स्थानीय आदिवासी समुदाय और धर्मांतरित परिवारों के बीच इस तरह के विवाद बार-बार सामने आ रहे हैं. इससे कई बार कानून व्यवस्था की समस्या पैदा हो रही है. इस मामले में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में इस तरह के विवादों के लिए पुलिस के पास एक बेहतर समाधान उपलब्ध होगा।

अपना खुद का न्यूज पोर्टल बनवाएं
पूर्ण Registration के साथ
+91 9303890212

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547